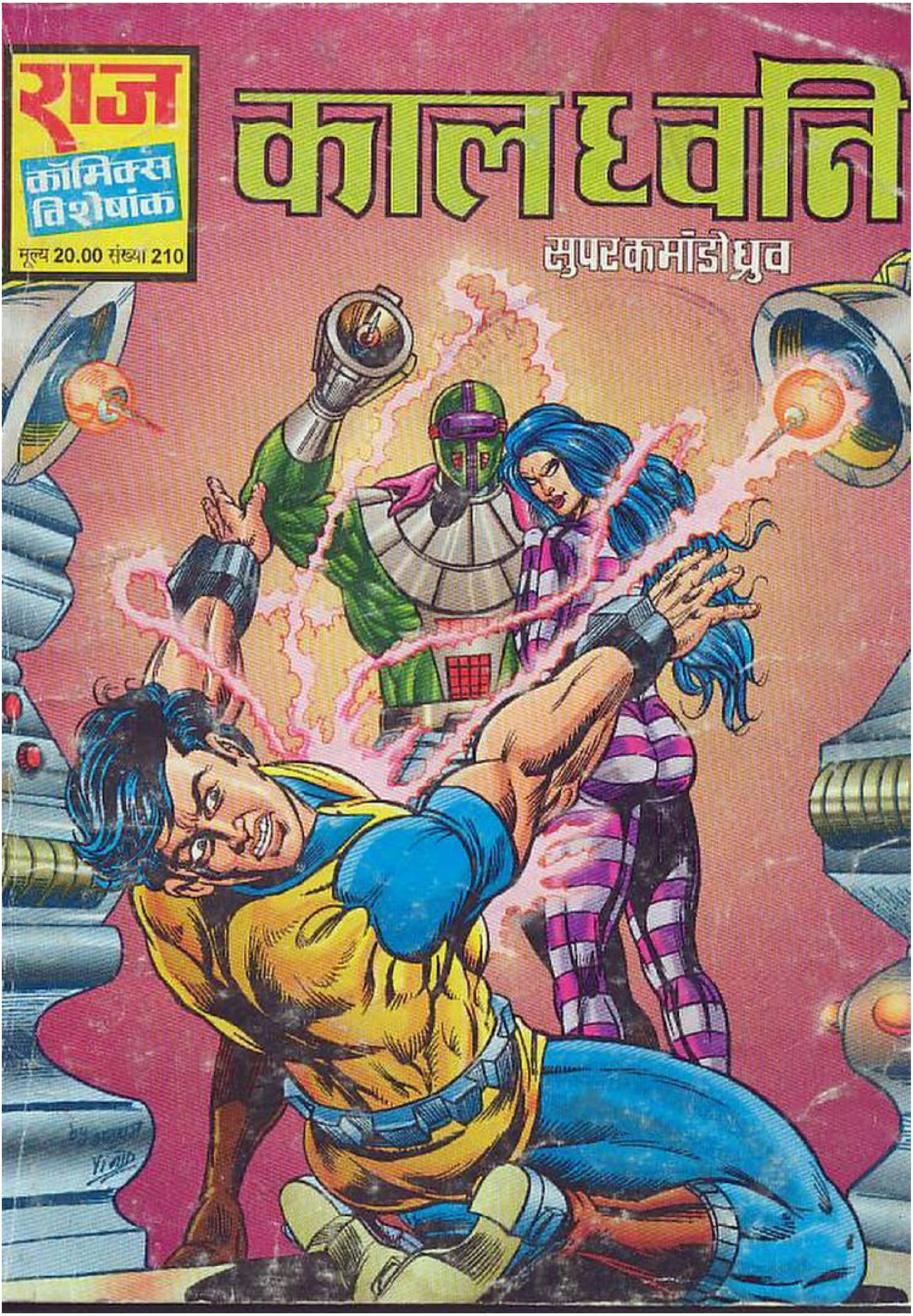
राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 210
काल ध्वनि
सुपर कमांडो ध्रुव

आवाजें! कभी सुनने में मनमोहक लगती हैं, कभी डरावनी। कभी कर्कश तो कभी मीठी। इंसान अपनी सारी जिन्दगी आवाजें सुनता रहता है, और जो आखिरी आवाज उसके कानों में पड़ती है, वह होती है, मौत की आहट...
काल ध्वनि
कथा: जॉली सिन्हा.
चित्र: अनुपम सिन्हा.
इंकिंग: विनोद कुमार, विट्ठल कांबले
सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय.
सम्पादक: मनीष गुप्ता.
ये 'निनाद' है ध्रुव! शुद्ध ध्वनि ऊर्जा से बनी हुई एक प्राणी!
अब ये अपने शिकार की तरह पहले तेरी सारी हड्डियां तोड़ेगी...
...और फिर इसकी मदद से मैं तोड़ूंगा पूरा राजनगर!
ये मेरा बदला भी होगा, और मेरे हथियार काल ध्वनि की टेस्टिंग भी!
...और उसके ाद सारी दुनिया ध्वनि-ाज के आगे घुटने टेकेगी।
अफसोस हेगा तो सिर्फ ये कि घुटने टेकने के लिए तू जिन्दा नहीं बचेगा।

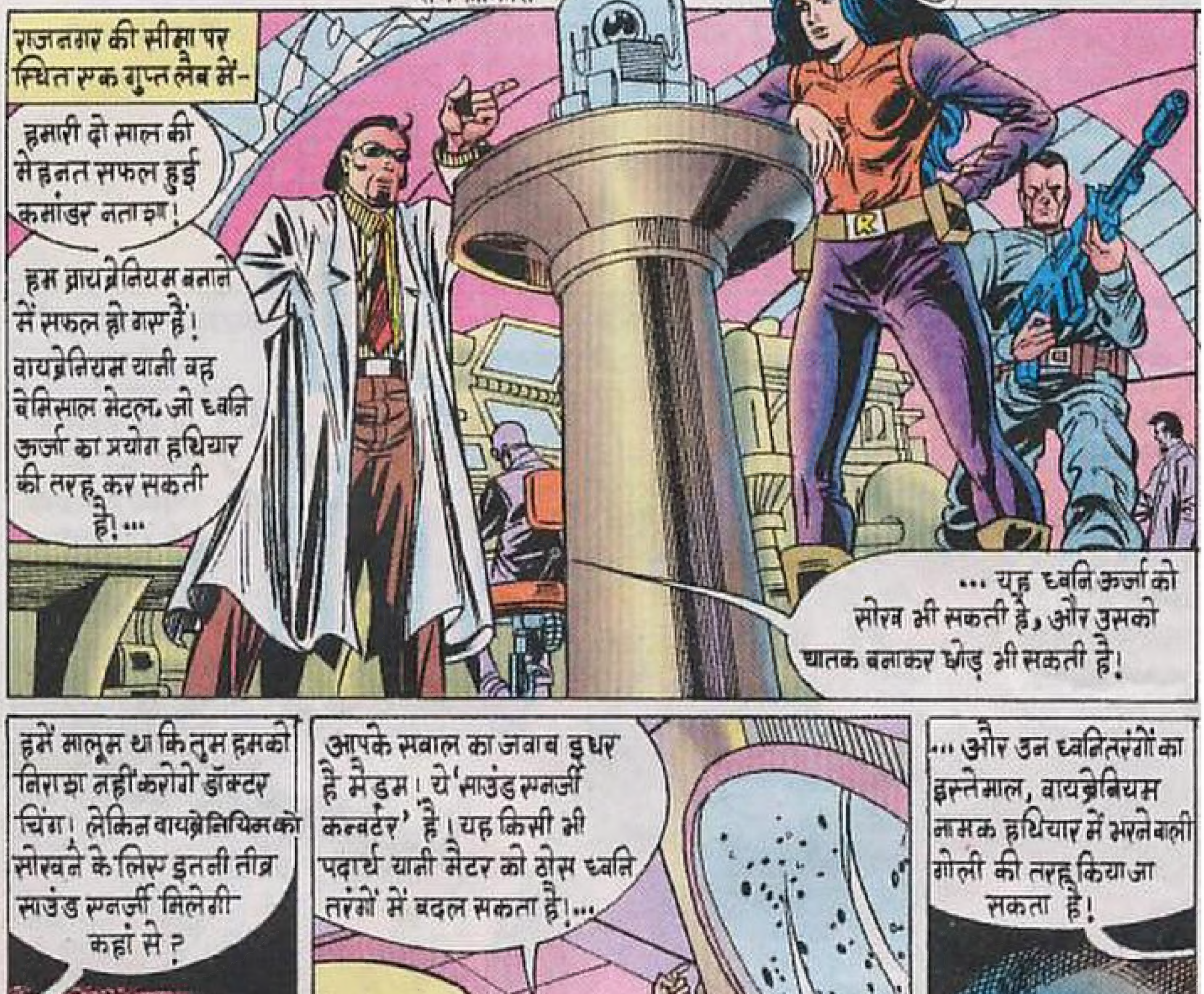
राजनगर की सीमा पर स्थित एक गुप्त लैब में-
हमारी दो साल की मेहनत सफल हुई कमांडर नताशा!
हम वायब्रेनियम बनाने में सफल हो गए हैं! वायब्रेनियम यानी वह बेमिसाल मेटल, जो ध्वनि ऊर्जा का प्रयोग हथियार की तरह कर सकती है!...
... यह ध्वनि ऊर्जा को सोख भी सकती है, और उसको घातक बनाकर छोड़ भी सकती है!
हमें मालूम था कि तुम हमको निराश नहीं करोगे डॉक्टर चिंग। लेकिन वायब्रेनियम को सोखने के लिए इतनी तीव्र साउंड एनर्जी मिलेगी कहां से?
आपके सवाल का जवाब इधर है मैडम। ये 'साउंड एनर्जी कन्वर्टर' है। यह किसी भी पदार्थ यानी मेटर को ठोस ध्वनि तरंगों में बदल सकता है!...
ग्रेट!
... और उन ध्वनितरंगों का इस्तेमाल, वायब्रेनियम नामक हथियार में भरने वाली गोली की तरह किया जा सकता है!
यानी हमारा प्रोजेक्ट पूरा हो गया है!

अब इंटरनेशनल टेरेरिस्ट मार्केट में यह खबर भेज दो, और नीलामी की तारीख तय कर लो!
इसी वक्त लैब के एक दूसरे हिस्से में-
संचार केंद्र
मैडम ने ये मैसेज भेजा है! इसको तुरन्त पूरी लैब में ब्रॉडकास्ट करो! अर्जेंट!
कैसेट पर तो मैसेज पहले कभी नहीं आया!
क्या है यह मैसेज... अरे!
तुम तो हमारे आदमी नहीं हो! कौन हो तुम?
तुम्हारी मौत का फरिश्ता!
अब ये कैसेट मुझे खुद ही चलानी पड़ेगी!
और फिर थोड़ी ही देर बाद - लैब के हर कोने में संगीत लहरी गूंजने लगी-
म्यूजिक! मैडम ने तो म्यूजिक चलाने पर सख्त पाबन्दी लगा रखी है।

तुझे क्या तकलीफ है? तुझे म्यूजिक सुनने से मतलब है...
...या कैसेट गिनने से ssssss
खुर्रर्र!
खर्रर्रर!
पूरी लैब में यही नजारा था! संगीत की मद-होश तरंगें, सभी को तुरन्त सुला दे रही थीं-
ये म्यूजिक किसने बजाया? कौन है ये गुस्ताख?
डॉक्टर चिंग!
ZZZZZZ
अजीब सा संगीत है। सुनते ही मुझ पर नींद हावी हो रही है। कुछ गड़बड़ है!
सभी अपने कान बन्द करो! तुरन्त! और पोजीशन ले लो!...
...हम पर हमला होने वाला है!
गोलियों की गरज ने संगीत सम्मोहन को हल्का कर दिया-

और रोबो गैंग के आदमियों की सुस्ती कुछ हद तक दूर हो गई-
घमासान युद्ध छिड़ गया-
लेकिन तरोताजा हमलावर, सुस्त रोबो गैंग पर हावी हो रहे थे-
इस मुकाबले का रुख अगर कोई पलट सकता था-
तो सिर्फ... कमांडर नताशा!
आतंकवाद सम्राट ग्रैंडमास्टर रोबो की बेटी-
अचूक निशानेबाज-
और दसवीं डिग्री ब्लैक बेल्ट धारक-
हर वार में हड्डियों को कई टुकड़ों में तोड़ डालने की शक्ति भरी हुई थी-
हमलावरों की संख्या तेजी से कम हो रही थी-
लेकिन लड़ाई का यह बदला हुआ रुख-

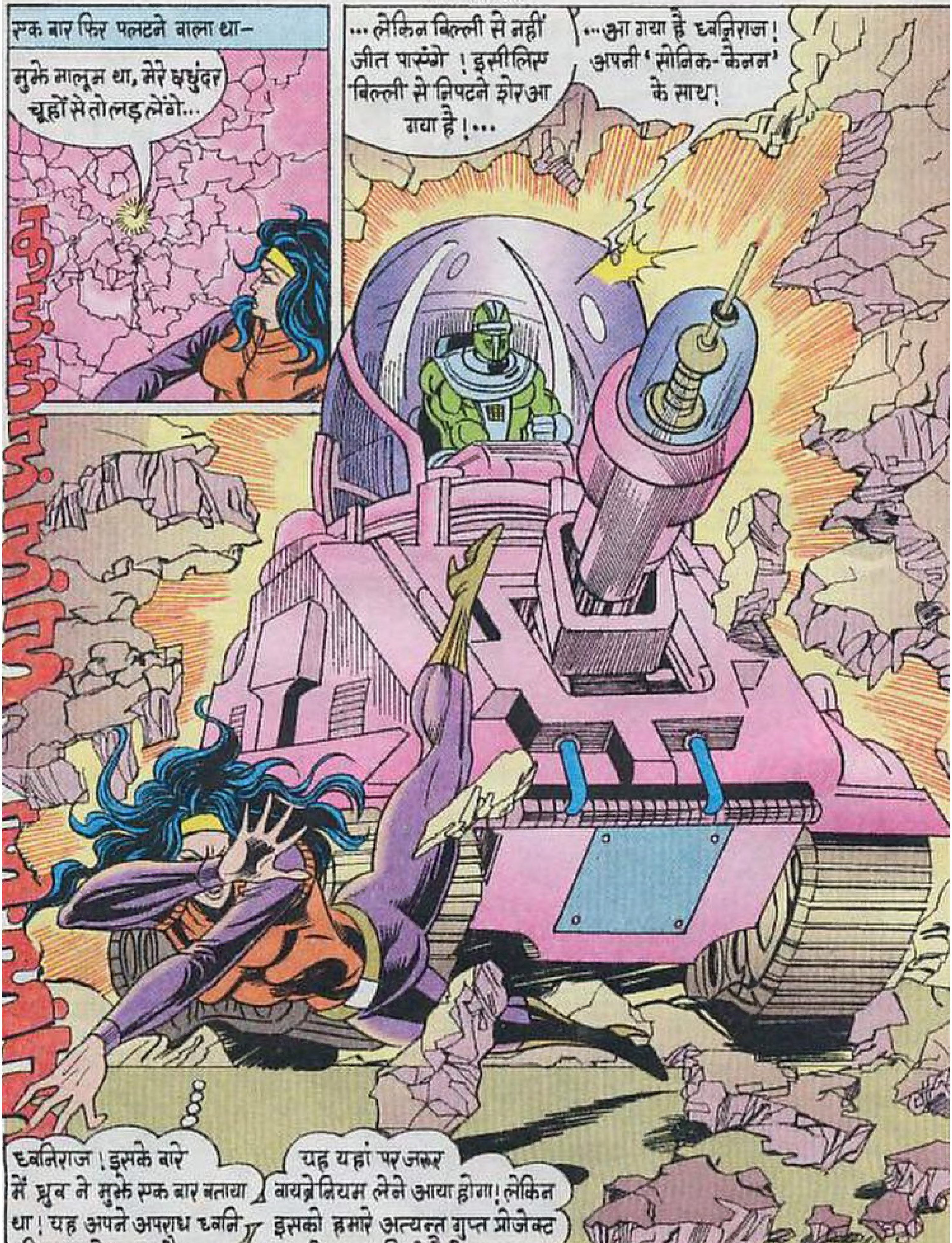
एक बार फिर पलटने वाला था—
मुझे मालूम था, मेरे छछुंदर चूहों से तो लड़ लेंगे...
...लेकिन बिल्ली से नहीं जीत पाएंगे! इसीलिए बिल्ली से निपटने शेर आ गया है!...
...आ गया है ध्वनिराज! अपनी 'सोनिक-केनन' के साथ!
ध्वनिराज! इसके बारे में ध्रुव ने मुझे एक बार बताया था! यह अपने अपराध ध्वनि की मदद से करता है!
यह यहां पर जरूर वायब्रेनियम लेने आया होगा! लेकिन इसको हमारे अत्यन्त गुप्त प्रोजेक्ट की खबर मिली कैसे?

अब इसके पास न तो जान रहेगी
और न ही रहेगा इसके वैज्ञानिकों
द्वारा बनाया गया वंडर मेटल
वायब्रेनियम!
कड़ड़म ममम ममम
शीघ्र ही नताशा चारों तरफ से घिर चुकी थी–
न तो भागने का रास्ता बचा था, और न ही जान बचाने का कोई उपाय–
सोनिक केनन का एक हल्का सा धमाका ही
उसकी हड्डियों को चूर-चूर कर सकता था–
लेकिन ऐसा हुआ नहीं–
कौन? कौन है जिसने शेर ध्वनिराज
के जबड़ों से उसका शिकार छीनने
की हिम्मत की है?

शेर की नकल करने से अगर कोई शेर बन जाता...
...तो हर गीदड़ आज शेर बना घूम रहा होता!
सुपर कमांडो ध्रुव!
तू मेरा पीछा करना कब छोड़ेगा?
तुम अपराध करना छोड़ दो, मैं तुम्हारा पीछा करना छोड़ दूंगा!
इससे बेहतर तो ये होगा कि तुम ये दुनिया छोड़ दो ध्रुव!
कड़ड़ड़ंम
लेकिन तुम यहां पर आए कैसे ध्रुव?
इस इलाके में बिजली की खपत एकाएक कई गुना बढ़ गई थी। तुम्हारी लैब के कारण!
मैं यही चेक करने आया था। और लगता है कि मैं ठीक समय पर आया!

अब तुम ध्वनिराज के गुंडों से निपटो, और मैं ध्वनिराज का बाजा बजाता हूं!
ओ॰ के॰! तुम वैसे भी ध्वनिराज को ज्यादा अच्छी तरह से जानते हो!
जानता हूं। इसीलिए यह भी जानता हूं कि इससे पार पाना आसान काम नहीं है!
नताशा के लिए बंदूकधारी गुंडों से निपटना तो मामूली काम था-
हा हा हा! ये बुलेट्‌ प्रूफ शीशे का डोम है कमांडो! इसको तो हाथी की किक तक नहीं तोड़ सकती!
धड़ंक
लेकिन 'सोनिक कैनन' ध्रुव को संभलने का मौका नहीं दे रही थी-

ध्वनिराज जब तक अपनी 'सोनिक कैनन' के अन्दर है, तब तक इसका पलड़ा भारी रहेगा! इसको तोप से बाहर निकालना पड़ेगा!...
...और यह काम करने का सबसे आसान रास्ता एक ही है...
...कि इसकी तोप को ही उड़ा दिया जाए!
और इस काम को करेगा यह पाइप!

इस पाइप से क्या छोड़ेगा, ध्रुव ?...
..पानी या हवा ?...
... या फिर खुद चूहे की तरह पाइप में घुसकर बचने की कोशिश करेगा ?
इतने बेसब्र क्यों हो रहे हो ध्वनिराज ? तुम तो अपनी तोप में सुरक्षित बैठे हो ! ...
...फिर तुमको किस बात का डर ? तुम अपना वार करो ! मार डालो मुझे !
और मौका मिलते ही ध्रुव ने पाइप के एक सिरे को 'सोनिक कैनन' की नाल के ऊपर चढ़ा दिया-
ध्वनिराज के वारों की तीव्रता बढ़ती चली गई-
धड़ाप
इस बार, सोनिक ब्लास्ट, पाइप के अन्दर से घूमता हुआ-

पाइप के उस दूसरे सिरे से बाहर निकल आया, जिसका रुख पहले से ही 'सोनिक कैनन' की तरफ मुड़ा हुआ था-
बड़ा! म म मम
एक जबरदस्त धमाके के साथ 'सोनिक कैनन' के परखच्चे उड़ गए-

अब ध्वनिराज बगैर सवारी के था, और सामने खड़ी मुसीबत दुगुनी हो गई थी-
नताशा ने ध्वनिराज के सभी आदमियों को धूल चटा दी थी-
अब क्या ख्याल है ध्वनिराज? तोप की तरह तुम्हारी हड्डियां भी तोड़ दूं या तुम सरेंडर कर रहे हो?
ध्वनिराज एक तोप का मोहताज नहीं है सुपर कमांडो ध्रुव!

क्योंकि ध्वनिराज के पास दूसरी 'सोनिक केनन' भी मौजूद है!
बड़ाममममम
सुपर कमांडो ध्रुव के रहते मैं बायब्रेनियम यहां से नहीं ले जा सकता! इसका ध्यान मुझे अपने ऊपर से हटाना पड़ेगा!
नताशा! ये मेरे बारे में ज्यादा नहीं जानती है! इसको मुसीबत में डालना थोड़ा आसान है!...
...और अगर ये मुसीबत में पड़ गई तो ध्रुव का ध्यान मुझ पर से हटकर इस पर चला जाएगा!
ध्वनिराज के वार से बचने के लिए नताशा उछली–
और उसी पल ध्वनिराज का एक और वार उसके शरीर से आ टकराया–
नताशा का शरीर 'साउंड एनर्जी कन्वर्टर' में जा गिरा–

पलभर में ही नताशा का शरीर उस 'एनर्जी कन्वर्टर' में घुल गया-
नताशा!
यह नहीं हो सकता! नताशा ऐसे मर नहीं सकती!
वह अभी जिन्दा होगी! मैं उसे मरने नहीं दूंगा!
मैं उसे बचाऊंगा! 'एनर्जी कन्वर्टर' से बाहर खींच लूंगा!
नताशा! अपना हाथ दो मुझे! हाथ दो! मैं तुमको बाहर खींच लूंगा!
ध्रुव को जवाब में सन्नाटे के अलावा और कुछ सुनाई नहीं दिया-
यही मौका है। वायब्रेनियम मेरे हाथ में है, और ध्रुव का ध्यान उस नताशा पर है, जो शर्तिया मर चुकी है!
अब मुझे यहां से फूट लेना चाहिए!
ध्वनिराज

अगर मैंने इन्सानी जान न लेने की कसम न खाई होती, तो आज तेरी जिन्दगी का आखिरी दिन होता! लेकिन आज तेरी अपराध की जिन्दगी का आखिरी दिन जरूर है!
आज के बाद तू अपने दो पैरों पर नहीं चल पाएगा! जमीन पर कीड़ों की तरह घिसट-घिसटकर चलेगा।
क्योंकि आज मैं तेरे पैरों की हड्डियों के इतने टुकड़े कर दूंगा...
...जिनको दुनिया का कोई भी डॉक्टर जोड़ नहीं पाएगा!
यह तो गुस्से से पागल हो रहा है। शायद नताशा इसको जरूरत से ज्यादा प्यारी थी! यह तो सचमुच मुझे लंगड़दीन बना देगा!
वो तो भला हो मेरे दिमाग का कि इमर्जेंसी में भागने के लिए मैं अपना 'सुपर सोनिक जेटस्कूटर' लेता आया था!...
...इस पर बैठने के बाद मुझे ध्रुव तो क्या...

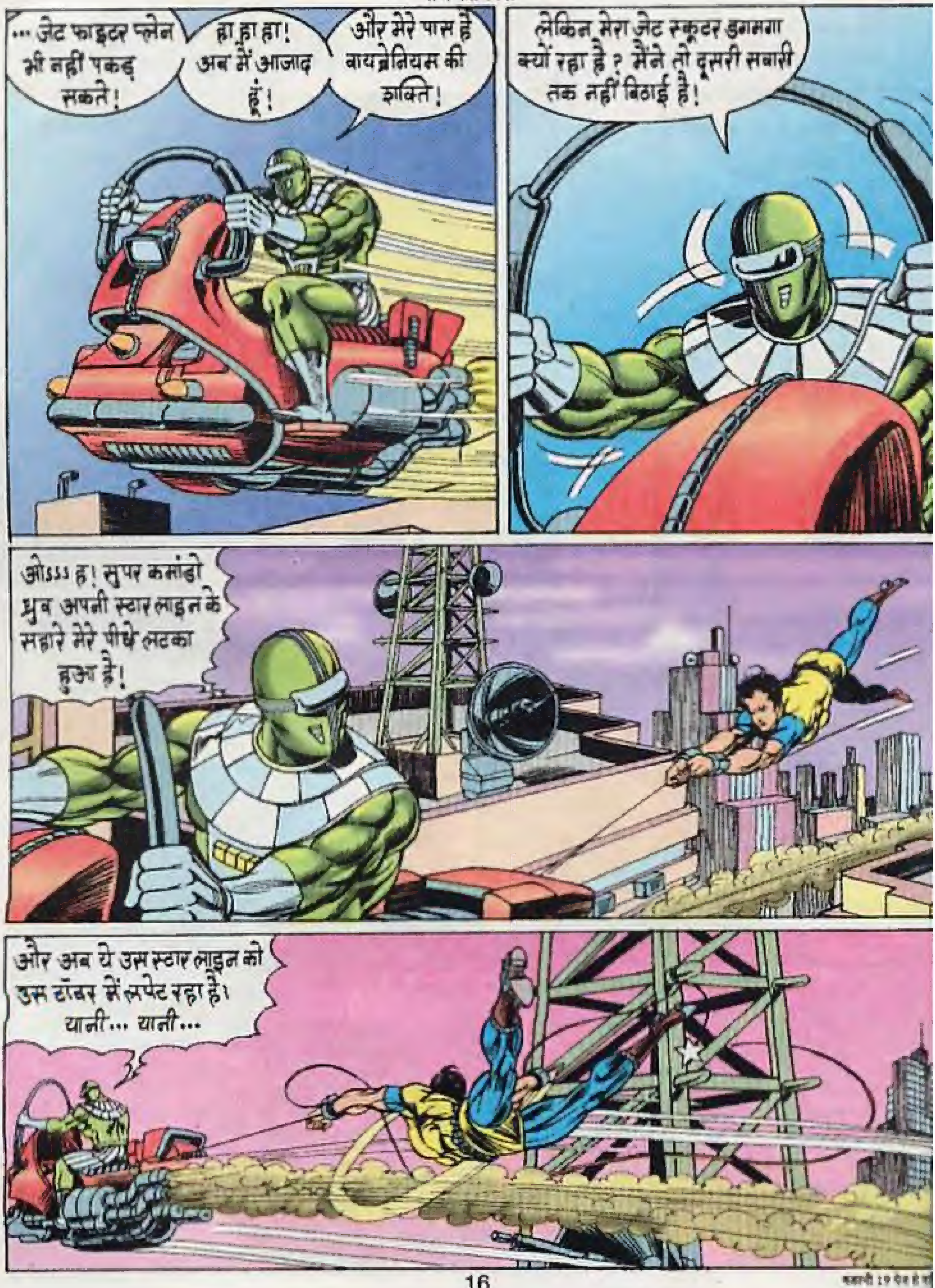
...जेट फाइटर प्लेन भी नहीं पकड़ सकते!
हा हा हा! अब मैं आजाद हूं!
और मेरे पास है वायब्रेनियम की शक्ति!
लेकिन मेरा जेट स्कूटर डगमगा क्यों रहा है? मैंने तो दूसरी सवारी तक नहीं बिठाई है!
ओऽऽऽह! सुपर कमांडो ध्रुव अपनी स्टार लाइन के सहारे मेरे पीछे लटका हुआ है!
और अब ये उस स्टार लाइन को उस टॉवर में लपेट रहा है। यानी... यानी...

...अब मेरा जेट स्कूटर एक झटके के साथ रुकेगा और मैं छिटककर दूर जा गिरूंगा ऽऽऽऽऽऽ
अब तुझे गिरकर मरने से सिर्फ मैं बचा सकता हूं ध्वनि-राज! गिड़गिड़ा और मदद मांग मुझसे!
नहीं ध्रुव! वैसा नहीं होगा जैसा कि तुम सोच रहे हो! मेरा 'साउंड-कुशन' मुझे जमीन से टकराने से बचा लेगा!
ध्वनिराज, उस खाली गोदाम की तरफ भाग रहा है। अब ये फंस गया!
गोदाम किराए के लिए उपलब्ध है।

अंदर तो घुप्प अंधेरा है! मुझे संभलकर आगे बढ़ना होगा! क्योंकि ध्वनिराज कहीं पर भी छुपा हो सकता है!
अरे! एकाएक संगीत कैसे बजने लगा? समझा!
ध्वनिराज संगीत के जरिए मुझे अपनी स्थिति बता रहा है। मुझे चेलेंज कर रहा है कि आओ, मुझे ढूंढ लो!
ध्रुव अगर नताशा की लैब में थोड़ा पहले पहुंचा होता तो उसे पता होता कि ये संगीत लहरियां उसके लिए चैलेंज नहीं–
बल्कि काल ध्वनि है–
ओह! मुझ पर नींद तेजी से हावी हो रही है! पूरा शरीर ढीला पड़ रहा है। कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि करूं तो क्या करूं!
ध्रुव को अपनी गर्दन में फंदा गिरने का एहसास तक नहीं हुआ–
हा हा हा! मेरी संगीत लहरियां तुझे तब तक सुलाए रखेंगी, जब तक तू हमेशा के लिए सो नहीं जाता! मर, ध्रुव, मर!

आऽऽह! रस्सी कसती जा रही है! नींद के कारण सारी मांसपेशियां शिथिल होती जा रही हैं!
जल्दी ही ये फंदा मेरी गर्दन पर कस जाएगा! ध्वनिराज जीत जाएगा!
नहीं! ऐसा नहीं होगा!
नहीं होगा!
इस संगीत को अपने कानों तक पहुंचने से रोकना होगा...
...इससे भी ज्यादा शोर पैदा करना होगा!
संगीत की ध्वनि, उस कर्णकटु शोर में कुछ पलों के लिए डूबी-
और ध्रुव को संभलने का मौका मिल गया-
अब ध्वनिराज?
तू बचेगा नहीं! तू मुझसे वायब्रेनियम छीन नहीं पाएगा!
उछलकर बच रहा है! अच्छा,
अब मैं उनको निशाना बनाऊंगा, जो उछलकर बच नहीं सकते!

...इन पेटियों को!
ध्वनिराज भाग गया! मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह पेटियों पर वार करेगा!
लेकिन उसने नताशा को मारा है। इसका हिसाब तो उसको देना ही होगा!
वह चाहे पाताल में जाकर छिपे या आकाश में। मैं उसे ढूंढ निकालूंगा।
और वह घड़ी ध्वनिराज की आजादी की आखिरी घड़ी होगी!

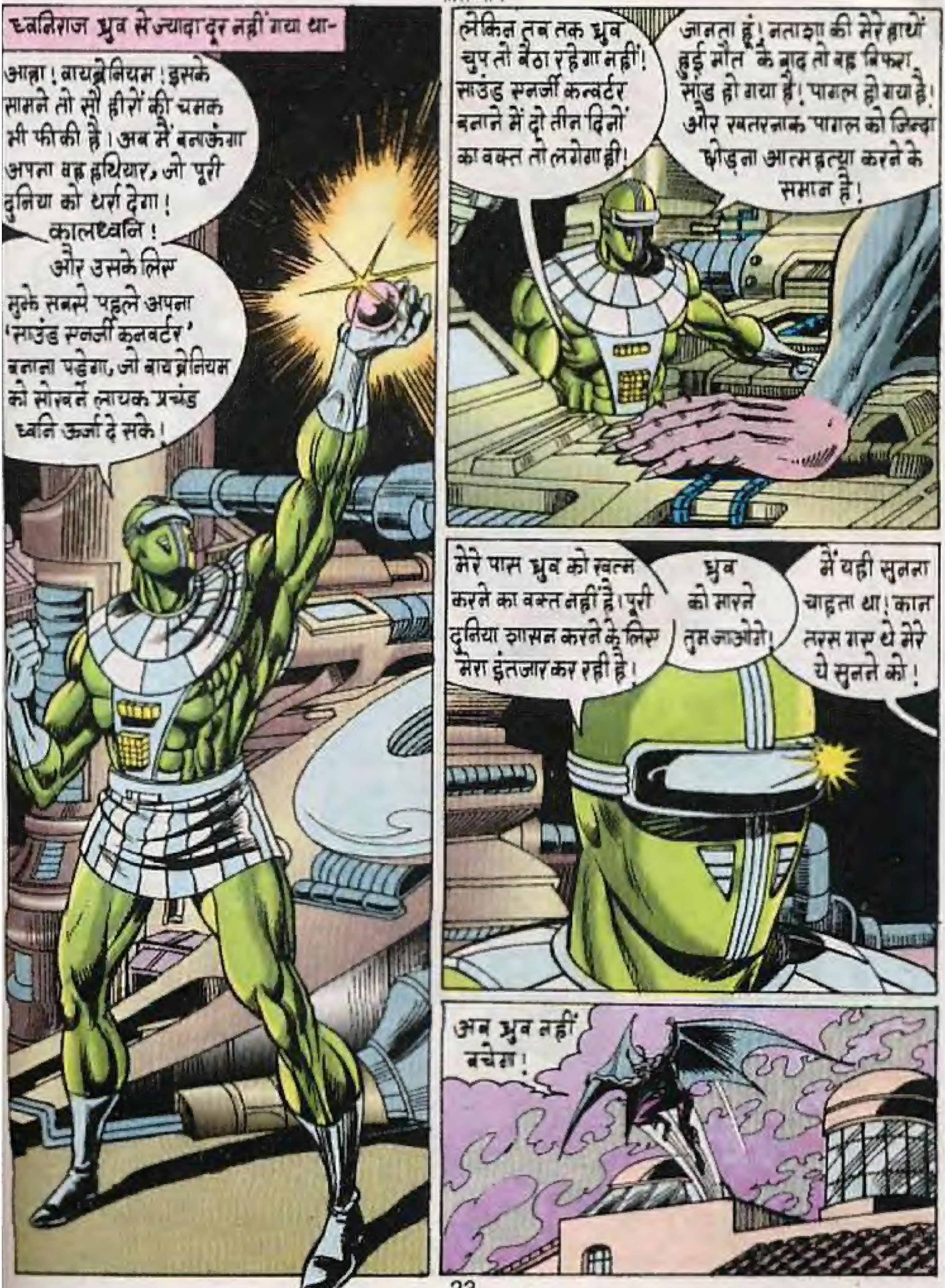
ध्वनिराज ध्रुव से ज्यादा दूर नहीं गया था-
आहा! वायब्रेनियम! इसके सामने तो सौ हीरों की चमक भी फीकी है। अब मैं बनाऊंगा अपना वह हथियार, जो पूरी दुनिया को थर्रा देगा! कालध्वनि!
और उसके लिए मुझे सबसे पहले अपना 'साउंड एनर्जी कनवर्टर' बनाना पड़ेगा, जो वायब्रेनियम को सोखने लायक प्रचंड ध्वनि ऊर्जा दे सके!
लेकिन तब तक ध्रुव चुप तो बैठा रहेगा नहीं! साउंड एनर्जी कन्वर्टर बनाने में दो तीन दिनों का वक्त तो लगेगा ही!
जानता हूं! नताशा की मेरे हाथों हुई मौत के बाद तो वह बिफरा सांड हो गया है! पागल हो गया है! और खतरनाक पागल को जिन्दा छोड़ना आत्महत्या करने के समान है!
मेरे पास ध्रुव को खत्म करने का वक्त नहीं है। पूरी दुनिया शासन करने के लिए मेरा इंतजार कर रही है!
ध्रुव को मारने तुम जाओगे!
मैं यही सुनना चाहता था! कान तरस गए थे मेरे ये सुनने को!
अब ध्रुव नहीं बचेगा!

इसी वक्त-
मैंने तुम्हारा मैसेज मिलते ही पुलिस फोर्स को भेज दिया था। पुलिस ने किसी को भी भागने का मौका नहीं दिया! न ही ध्वनिराज के आदमियों को और न ही नताशा के गैंग को!
फिलहाल दोनों गुट अलग-अलग पुलिस स्टेशनों के लॉकअप में बन्द हैं!
लेकिन नताशा का कोई पता नहीं चला! हमने अपने विशेषज्ञों से भी सांउड कंवर्टर की जांच करवाई और नताशा के वैज्ञानिकों से भी!
लेकिन उस साउंड एनर्जी कन्वर्टर में किसी भी बॉयोलोजिकल चीज के संकेत नहीं मिले!
संकेत मिल ही नहीं सकते पापा! उस कन्वर्टर में जाते ही हर चीज ध्वनिऊर्जा में बदल जाती है!
नताशा अब सिर्फ एक आवाज है। एक याद!
जो कुछ भी हुआ उसमें तुम्हारी गलती नहीं है, भइया! नताशा जिस रास्ते पर दुबारा चल पड़ी थी उसका अन्त तो ऐसे होना ही था!
यही तो मेरी हार है श्वेता! मैं नताशा को सही रास्ते पर वापस नहीं ला सका!
और अब वह एक ऐसे रास्ते पर जा चुकी है, जहां से कभी कोई वापस नहीं आया!

चमत्कार होते हैं-
और होते ही रहेंगे-
किंग्स सर्कल पुलिस स्टेशन में-
हमको क्यों पकड़ रखा है, इंस्पेक्टर! हम तो वैज्ञानिक हैं! कमांडर नताशा के कर्मचारी!
अगर कोई गलत काम किया है तो नताशा ने! पकड़ना है तो उसको पकड़ो!
उसको हम तो अब पकड़ नहीं सकते! हाँ, अगर वह मरकर भूत-वूत बन गई होगी, तो किसी तांत्रिक से उसे जरूर पकड़वा लेंगे!
इनको छोड़ दो! इन पर तुम न तो कोई आरोप लगा सकते हो, और न ही उसे साबित कर सकते हो!
ये कौन वकील आ गया?

ये कैसी लड़की है? इसका सारा शरीर तो चमक रहा है!
खतरनाक लग रही है। इससे पंगा लेना ठीक नहीं है!
इ... इनको अभी कैसे छोड़ सकता हूं! सु... सुबह से पहले जमानत हो नहीं सकती!
जमानत होते ही छोड़ दूंगा!
ठीक है! लेकिन मुझे इनसे कुछ पूछताछ करनी है! वो भी अभी!
अरे! ये तो लॉकअप की तरफ बढ़ रही है! इसे रोको!
वर्ना कमिश्नर साहब हमारी चमड़ी उधेड़ देंगे!
पुलिस वालों की शारीरिक शक्ति नाकामयाब रही—
तो मजबूरन उनको बंदूकों का मुंह खोलना पड़ गया—
धांय
टिट्यू
टिच्चयांऊ
धांय

लेकिन उस चमकते शरीर से टकराते
ही गोलियां चूर-चूर हो गईं-
मुझ पर गोलियां बर्बाद
मत करो। ये हाड़-मांस का
शरीर नहीं है। ये ठोस ध्वनि
ऊर्जा का बना शरीर है। मैं
इन्सान नहीं एक प्रचंड
आवाज हूं! निनाद!
ऊर्जा को तुम
नष्ट नहीं कर
सकते!
लेकिन ऊर्जा तुमको
नष्ट कर सकती है!
होश होते-होते भी थाना इंचार्ज
उस 'अलार्म-बटन' को दबा दिया-
जो खतरे के संकेतों को सीधा पुलिस हेडक्वार्टर तक भेज देता था-
निनाद को किसी खतरे का डर नहीं था-
लॉकअप खुला-
चर्रर्र र्र र्र
और गैंग के सदस्य एक-एक
करके बाहर निकलने लगे-
निनाद ने उनकी
तरफ देखा तक नहीं-

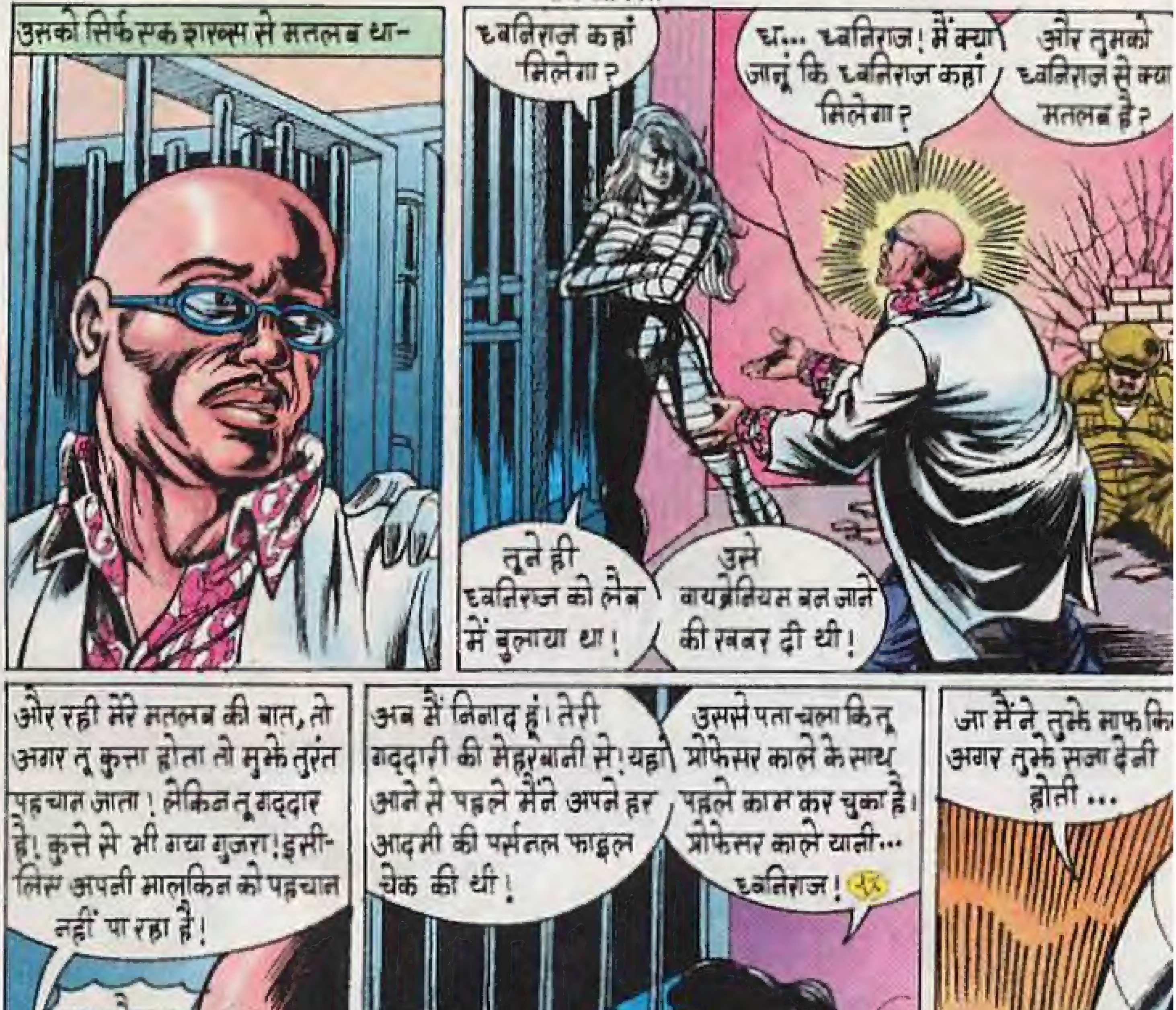

* इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: आवाज की तबाही

...तो तेरी सारी हड्डियां तोड़कर तुझे मौत नहीं देती! सिर्फ तेरी आंखें फोड़कर और हाथ तोड़कर जिन्दगी भर तड़पने के लिए जिन्दा छोड़ देती!
इसी वक्त-
व्हाट? किंग सर्कल की पुलिस चौकी पर हमला! ओ... गॉड! मैं अभी वहां पहुंचता हूं!
क्या हुआ पापा?
किंग सर्कल की पुलिस चौकी पर किसी लड़की ने हमला करके कैदियों को छुड़ा लिया है! अपने आपको निनाद बता रही थी! शुद्ध ध्वनि ऊर्जा की बनी एक प्राणी!
यह जरूर ध्वनिराज का काम होगा! यह निनाद भी उसी की ईजाद होगी!
मैं उसको अगर ढूंढ सकूं तो ध्वनिराज तक भी पहुंच सकता हूं!

ध्रुव, निनाद को ढूंढ रहा था-
लेकिन ध्रुव को-
कोई और ढूंढ रहा था-
खड़ाक
मर, ध्रुव, मर!

आऽऽऽ ह! यह क्या था? ये तो शुक्र है कि मेरी स्टार लाइन ब्रेसलेट में अटकी रह गई!
वर्ना घूमते सिर के साथ जमीन से जा टकराता। खैर! इस बार मैं इस दैत्य के लिए तैयार हूं!
तू 'सोनिक बेट' से नहीं बच सकता ध्रुव!
ओह! इसकी गति तो बहुत तेज है!
पता ही नहीं लगा कि ये कब मुझ तक पहुंच गया!
इस बार मैं इसके लिए तैयार रहूंगा! अब मुझे इसकी गति का अन्दाजा हो गया है!
लेकिन इस बार सोनिक बेट ने-
अपना वार करने का तरीका बदल दिया-

आऽऽऽह! सोनिक बूम!
धड़ड़ड़ड़ड़ड़मम
हा हा हा! मेरी शक्तियों के सामने बड़े-
के होश उड़ जाते हैं! अब इसकी गर्दन
धड़ से उखाड़कर अलग कर दूंगा!
लेकिन-
मैं बेहोश होने का नाटक इसलिए
रहा था ताकि थोड़ी देर के लिए
स्थिर कर सकूं!
ध्रुव को बेहोश करने के लिए तेरा वार पर्याप्त नहीं था, सोनिक बैट!
तेरे उड़ने के दिन खत्म हुए, सोनिक बैट!

ध्रुव बता कि तू है कौन, और मेरी जान के पीछे क्यों पड़ा है ?
ये बात तो मैं तुझे मारने से पहले बता ही देता। सीधी सी बात है। मेरे मालिक ध्वनिराज को तेरी जान चाहिए, और ये सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है।
मेरे उड़ने के दिन नहीं, बल्कि तेरी जिन्दगी के दिन खत्म हो गए हैं ध्रुव!
मर, ध्रुव, मर!
ध्रुव के हाथ सोनिक बैट के परों पर कस गए-
कड़ाक
हड्डी टूटी-
और दोनों ही-
जमीन पर आ गिरे-
धड़म
आहा! क्या ताकत है सोनिक बैट में! लगभग सौ फीट की ऊंचाई से गिरने के बावजूद भी यह उठकर खड़ा हो रहा है! वाह! ये ध्रुव को जरूर खत्म कर देगा!
?
ऊंह! ध्वनिराज एक साथ अपने दो आदमियों को भेजने की गलती कभी नहीं करेगा! अगर इसे ध्वनिराज ने भेजा है तो फिर वह लड़की निनाद कौन है?

मैंने इसके एक पंख की हड्डी को तोड़कर इसकी तेज गति से उड़ सकने वाली शक्ति को तो खत्मकर दिया है, लेकिन इसकी शारीरिक शक्ति भी बेमिसाल है!
मुझे इससे बचकर रहना होगा! वर्ना एक के बाद दूसरा वार मेरा शरीर सह नहीं पाएगा!
लेकिन-
आह! यह तो जितना तेज उड़ता है, उतनी ही तेज दौड़ता भी है! दिमाग अंधेरे में डूब रहा है!
इसको रोकना होगा! रोकना होगा!
चमगादड़ लगभग अंधे होते हैं, और तेज रोशनी सहने के आदी नहीं होते! इसमें भी वही कमजोरी है। सिग्नल फ्लेयर की तेज रोशनी से इसको तकलीफ पहुंच रही है। यही मौका है!

इसको काबू में करने का!
ताड़ड़ड़
कालध्वनि
लेकिन-
धड़ाक
आऽऽऽह! अब ये अपनी 'रडार सेंसेज' का इस्तेमाल कर रहा है!
ध्रुव एक बार फिर सोनिक बैट के शिकंजे में फंस गया-
आऽऽऽह!
दम घुट रहा है! अब कौन सा तरीका आजमाऊं! सारे तरीके तो आजमा चुका!
ध्रुव को दिमाग लगाने की जरूरत नहीं पड़ी-
ये क्या?

ये तो 'ध्वनि-वार' था! ये किसने? ओह! चमकते शरीर वाली लड़की! और साथ में ध्वनि ऊर्जा की शक्ति। ये तो निनाद के अलावा और कोई हो ही नहीं सकती!
अब मुझे क्या इससे लड़ना पड़ेगा?
सेटेलाइट कैमरे की मदद से पूरा दृश्य देख रहा ध्वनिराज भी आश्चर्य चकित था-
मेरे सारे यंत्र तो यही संके दे रहे हैं कि यह लड़की शुद्ध ध्वनि ऊर्जा से बनी हुई है! लेकिन... लेकिन ये कैसे हो सकता है। ओफ! मैं दृश्य देख तो सकता हूं, लेकिन इन बातें सुन नहीं सकत
वर्ना मुझे पता चल जाता कि यह लड़की किसकी ईजाद है!
तुमको मुझसे लड़ना नहीं पड़ेगा ध्रुव! क्योंकि मैं तुम्हारी दुश्मन नहीं दोस्त हूं!
ये कद-काठी! और ये चेहरा! ये चाहे बदल गए हों, लेकिन फिर भी मैं तुमको पहचान सकता हूं!
नताशा!
ओह! मैं यह जानकर बहुत खुश हूं कि तुम जिन्दा हो! चाहे इस रूप में हो, लेकिन जिन्दा हो!
लेकिन ध्वनिराज को यह जानकर खुशी नहीं होगी, ध्रुव! क्योंकि उसी के कारण मैं अपना इंसानी रूप खोकर एक 'ध्वनि-प्राणी' बन गई हूं!
और इस गलती की कीमत ध्वनिराज की जान है!

मेरे वैज्ञानिकों में एक ध्वनिराज का आदमी भी था। उसका मुखबिर। उसी ने मुझे बताया है ध्वनिराज का अड्डा काली पहाड़ी की चोटी पर है!
अब तुम अगर मेरा साथ दो तो ध्वनिराज के आतंक को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है!
मैं तुम्हारा साथ जरूर दूंगा, नताशा...
...लेकिन ध्वनिराज को पकड़ने में! उसको मारने में नहीं!
वैसे भी ध्वनिराज अपने अड्डे बदलता रहता है! वह तुमको काली पहाड़ी पर नहीं मिलेगा!
फिर हम उसे कैसे ढूंढेंगे?
इसकी मदद से! यह होश में आते ही उड़कर वहीं जाएगा, जहां पर इसका मालिक ध्वनिराज है!
और हम जाएंगे इसके पीछे!
गुड आइडिया! यानी हमको बस छिप-कर इसके होश में आने का इंतजार करना है!
हुम! बातें तो कुछ समझ में नहीं आईं! लेकिन इशारों से इतना स्पष्ट है कि यह लड़की ध्रुव की जानकार है। और ये 'सोनिक बैट' की मदद से मुझे पकड़ना चाहते हैं!
ऐसा नहीं होगा! नहीं होगा!
एक बटन दबा-
और इधर - सोनिक बैट के सर में पैवस्त एक बम फट पड़ा-
ओह!

ओह! ध्वनिराज तक पहुंचने का रास्ता तो बस से उड़ गया, ध्रुव!
यानी ध्वनिराज हम पर नजर रख रहा है! खतरा कहीं से भी आ सकता है नताशा! सावधान रहना!
यह लड़की खतरनाक है! ध्रुव और इसको आपस में मिलने देना घातक होगा!
यह लड़की शुद्ध ध्वनिऊर्जा से बनी है! यानी इस वक्त इसका दिमाग भी ध्वनि ऊर्जा का ही है, और ध्वनि राज किसी भी ध्वनि ऊर्जा को कंट्रोल कर सकता है!
इसके दिमाग को भी!
और इसके लिए मैं इस्तेमाल करूंगा इस शहर के 'मोबाइल-फोन' सिस्टम का!
हम ध्वनिराज के हमले का इंतजार करने में समय क्यों व्यर्थ करें नताशा! चलो, मैं तुमको राजनगर यूनिवर्सिटी की साउंड रिसर्च लैब में ले चलता हूं!
मैं तुमको इंसानी रूप में वापस लाने का कोई न कोई तरीका जरूर निकाल...
...आऽऽऽह!
तड़ाक

नताशा! संभालो अपने आपको! ये तुमको एकाएक क्या हो रहा है?
नताशा नहीं, निनाद बोल मुझे! निनाद यानी तेरी मौत!
लिबर्टी
कड़ाक
ओह! यही है ध्वनिराज का वह वार, जिसका मैं इंतजार कर रहा था!
ध्वनिराज ने किसी तरह से नताशा के दिमाग को कब्जे में कर लिया है!
मुझे मारने के चक्कर में नताशा पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचा रही है! इसको किसी ऐसी जगह ले जाना होगा, जहां पर इसके वार ज्यादा नुकसान न कर पाएं!
और ऐसी एक परफेक्ट जगह है...

ये पिक्चर हॉल! पिक्चर हॉल की दीवारों को खास तौर से ऐसा बनाया जाता है कि वे 'आवाज' को सोखकर बाहर जाने से और प्रतिध्वनित होने से रोक सकें!
ENTRY
हॉल खाली है! नाइट शो भी खत्म हो चुका है!
यहां पर नताशा जो भी वार करेगी, वे यहीं तक सीमित रहेंगे!...
...और इस तोड़-फोड़ का हर्जाना मैं ध्वनिराज से वसूल लूंगा!
EXIT
मेरा ख्याल सही निकला! नताशा के वार इन दीवारों को मामूली सा नुकसान पहुंचा पा रहे हैं! मेरा दिमाग इस तरफ से निश्चिन्त हो गया है!

...अब मैं आराम से ललाशा को रोकने का प्रयास कर सकता हूंऽऽऽऽऽ
आऽऽऽऽह! इसके शरीर से मेरे पैर का स्पर्श होते ही मेरा पूरा बदन थरथराने लगा है...
...इसने ध्वनि कंपनों को मेरे शरीर में ट्रांसफर कर दिया है। अपने आपको संभालना तक मुश्किल हो रहा है।... इसको रोकूं तो कैसे?
ध्वनि को भला क्या रोक सकता है?
इस सवाल का जवाब मुझे राजनगर यूनिवर्सिटी के साउंड एक्सपर्ट डॉक्टर सेन देंगे!
तू भाग नहीं सकता। क्योंकि तू ध्वनि से तेज नहीं दौड़ सकता। निनाद तब तक तेरा पीछा करेगी, जब तक यमदूत तेरे प्राण नहीं ले जाता!
EXIT

ध्रुव, नताशा को अपने पीछे भगाता हुआ, वहां तक तो ले आया था-
जहां पर वह उसे पहले ही लाना चाहता था-
राजनगर विश्वविद्यालय के साउंड रिसर्च सेंटर में-
ध्रुव, तुम? और... ओ माई गॉड! ये क्या चीज है?
यह एक आम लड़की है डॉक्टर सेन! जिसका शरीर ध्वनि ऊर्जा सोखकर शुद्ध ध्वनि ऊर्जा का ही बन गया है! आपको इसे सामान्य रूप में लाना है!
इंपासिबिल ध्रुव!
हमारी रिसर्च अभी इस काबिल नहीं है कि हम ऐसा कर सकें! मुझे तो यकीन भी नहीं आ रहा है...
...कि कोई प्राणी शुद्ध ध्वनि ऊर्जा का बना हुआ भी हो सकता है!
तो फिर आप लोग बाहर निकलिए! जो करना है अब मैं ही करूंगा!

ओफ! मैंने कह तो दिया है कि जो कुछ भी करूंगा, वह मैं ही करूंगा! लेकिन मैं करूंगा क्या?
सिवाय बचते रहने के!
आऽऽऽह!
निनाद का वार खाकर ध्रुव कई फुट ऊपर जा गिरा-
ओह! अब तो शरीर भी थक रहा है! फुर्ती कम हो रही है! अगले वार से बचना भी मुश्किल लग रहा है। लेकिन... अरे! यह क्या?
बन गया काम!
इस बार नताशा के आगे बढ़ते ही ध्रुव भी आगे बढ़ा-
और-
ओह! इस टक्कर से मेरा शरीर फिर कांपने लगा है!...
...लेकिन इस बार संभलने का वक्त नहीं है! जो कुछ करना है वह जल्दी करना होगा!

लताशा के अंदर गिरते ही 'ऑटोमैटिक ढक्कन' अपने आप बन्द हो गया-
और ध्रुव ने अपना काम शुरू करने में एक पल भी व्यर्थ नहीं किया-
एक मोटर स्टार्ट हुई-
और-
ये... ये क्या हो रहा है? मेरे वार तो वार, मेरा स्पर्श तक इस शीशे की दीवार को तोड़ नहीं पा रहा है!
और... और मेरे 'ध्वनिवार' भी मेरे हाथों तक ही सिमटकर रह रहे हैं। तूने मुझे ये कहां बन्द कर दिया है?
ये 'वैक्यूम चेम्बर' है निनाद उर्फ लताशा! और एक पंप इसमें भरी हवा को तेजी से बाहर निकाल रहा है। इसीलिए तुम्हारे वार बेकार हो रहे हैं। क्योंकि कोई भी ध्वनि ऊर्जा बगैर किसी माध्यम के चल नहीं सकती!
इसकी शीशे की दीवार भी शैटर-प्रूफ है। ये तुम्हारे कंपनों को आसानी से सोख सकती है!
अब जब तक मैं तुमको सामान्य बनाने का रास्ता ढूंढ नहीं लेता...

...तब तक तुमको इसी 'वैक्यूम चेम्बर' में कैद रहना पड़ेगा! और चूंकि इस वक्त तुम एक ध्वनि प्राणी हो, इसलिए तुम निर्वात में ही जिन्दा रह सकती हो!
अफसोस तो इस बात का है के ध्वनिराज की खोज करने में अब मैं तुम्हारी मदद नहीं ले पाऊंगा!
अरे! ध्रुव अकेला बाहर आ रहा है! यानी... यानी इसने उस लड़की को मात दे दी! यकीन नहीं होता! अब ये मेरे पीछे पड़ जाएगा!
मेरे पास 'साउंड कंवर्टर' बनाने का वक्त नहीं है! मुझे भीषण ध्वनि ऊर्जा प्राप्त करने का कोई दूसरा जरिया ढूंढना पड़ेगा!... वह ऊर्जा जो वायब्रेनियम सोख सके!
और अब मौसम की जानकारी! पहले पश्चिम का मौसम; राजनगर में तेज तूफान के साथ गरजदार बारिश होने की आशंका है!
तूफान! गरजदार तूफान!
मेरा काम बन गया! लेकिन ये वायब्रेनियम अभी अपने आप ऊर्जा सोखने लायक नहीं है। मेरी तोप ये काम करेगी। लेकिन उसके लिए मुझे खुद तूफान में जाना होगा। जान पर खेलना होगा!
मैं खेलूंगा! दांव पर लगेगा राजनगर! और जीतूंगा मैं! ध्वनिराज!

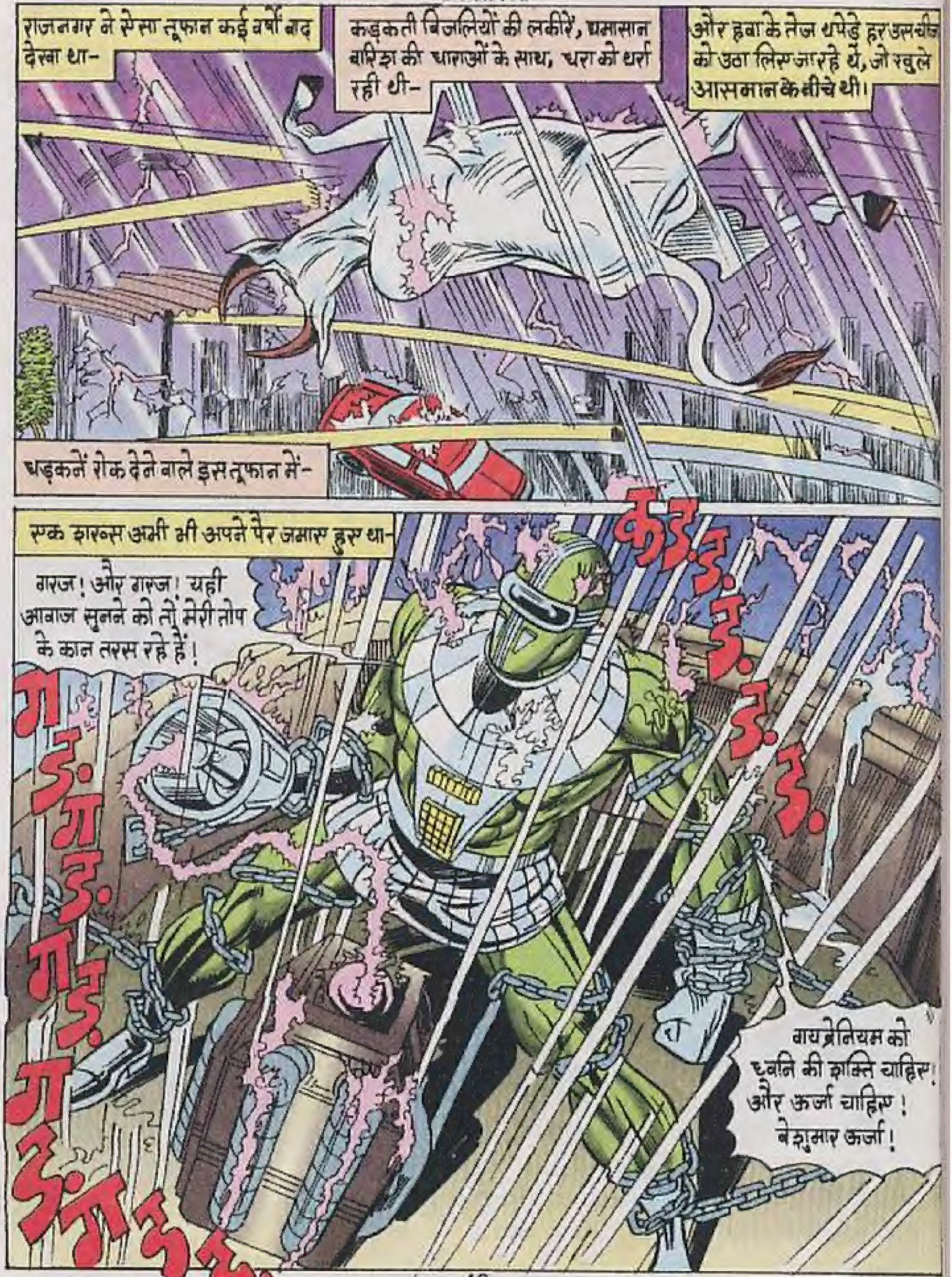
राजनगर ने ऐसा तूफान कई वर्षों बाद देखा था-
कड़कती बिजलियों की लकीरें, घमासान बारिश की धाराओं के साथ, धरा को थर्रा रही थी-
और हवा के तेज थपेड़े हर उस चीज को उठा लिए जा रहे थे, जो खुले आसमान के नीचे थी।
धड़कनें रोक देने वाले इस तूफान में-
एक शख्स अभी भी अपने पैर जमाए हुए था-
कड़.ड़.ड़.ड़.ड़.
गरज! और गरज! यही आवाज सुनने को तो मेरी तोप के कान तरस रहे हैं!
गड़.गड़.गड़.गड़.गड़ड़ड़.
गयब्रेनियम को ध्वनि की शक्ति चाहिए! और ऊर्जा चाहिए! बेशुमार ऊर्जा!

बादलों की भीषण गरज और बिजलियों की कर्णभेदी कड़क से वायब्रेनियम में ध्वनि ऊर्जा भरती जा रही थी–
और वायब्रेनियम की चमक धीरे-धीरे बढ़ती हुई–
आंखें चोंधिया देने वाले स्तर पर पहुंच गई थी–
हा हा हा! बन गया मेरा हथियार! कालध्वनि! जो राजनगर वासियों के लिए मौत की आवाज बनेगा! और राजनगर की बलि लेने के बाद मैं पूरी दुनिया से फिरौती वसूलूंगा!
ऐसा तूफान बीस साल बाद आया है ध्रुव! न जाने कितनी तबाही मचाकर जाएगा!
अगर कोई अपराधी ऐसा करता तो मैं उसे रोकने की कोशिश जरूर करता पापा! लेकिन भगवान को कैसे रोकूं?
सारी दुनिया पर राज करेगा ध्वनिराज! सारी दुनिया पर!
पांच अरब की जान की कीमत!
भगवान को कोस रहे हो? देखना, भगवान का कहर तुम्हारे ऊपर जरूर टूटेगा!
कैसे टूटेगा?

ऐसे! देखा?
उम्मम्फ! मुंह जल गया!
मुझे वहम हुआ था या एक सेकंड के लिए जमीन सचमुच कांपी थी?
ये भूकंप का झटका था ध्रुव! मैंने भी महसूस किया था!
तभी जमीन फिर से कांप उठी—
ओफ्फ! ये क्या हो रहा है? स्टार ट्रांसमीटर पर मैसेज को भी अभी ही आना था!
पिंप पीं
कैप्टेन! करीम हियर! अपना टी॰ वी॰ ऑन करो! हर चैनेल पर एक ही मैसेज आ रहा है! ध्वनिराज का!
श्वेता, टी॰ वी॰ ऑन करो!
टी॰ वी॰ ऑन हुआ—
राजनगर के भाग्यशाली वासियों! ध्वनिराज ने तुम्हारे शहर को अपने खास हथियार कालध्वनि की टेस्टिंग के लिए चुना है!
ये भूकंप जैसे झटके उसी का परिणाम हैं!
मेरी ऐसी पहली कोशिश बेकार कर दी गई है! लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा! क्योंकि इस बार ध्वनिराज तुम्हारे शहर को कालध्वनि की उन ध्वनि तरंगों की मदद से तबाह करेगा, जो पूरे शहर में भूकंप जैसे झटके ला देंगी!
और इतने बड़े शहर में कालध्वनि कहां छिपा हुआ है, इसका पता तुम तो क्या, सी॰ आई॰ ए॰ वाले भी नहीं लगा सकते!

अब राजनगर को धूल में मिलाकर मैं दुनिया के सामने अपने हथियार कालध्वनि की घातक क्षमता का प्रदर्शन करूंगा। यह मेरे हथियार की टेस्टिंग भी होगी, और मेरा प्रतिशोध भी!
ऐसा नहीं होगा ध्वनिराज! राजनगर के धूल में मिलने से पहले मैं तुझे धूल में मिला दूंगा!
मैं कालध्वनि को ढूंढूंगा! सोचो, ध्रुव, सोचो! ध्वनिराज कालध्वनि को कहां छिपा सकता है!
शहर के बीचोंबीच में? जहां से ध्वनि तरंगें हर दिशा में समान रूप से फैल सकें? नहीं! ऐसा करते उसको कई लोग देख लेते! फिर कहां?
एक बात तो तय है कि कालध्वनि को जमीन के नीचे फिट किया गया है!
ध्वनिराज, कालध्वनि का दुबारा भी प्रयोग करना चाहता है! यानी कालध्वनि को वह ऐसी जगह पर फिट करेगा, जहां से वह उसे निकाल भी सके! अगर राजनगर मलबे का ढेर बन गया तो फिर कालध्वनि भी उसी में दब जाएगा। यानी कालध्वनि ऐसी जगह पर है, जहां पर वह ज्यादा मलबे के नीचे न दबे!

(*) इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें : क्विज मास्टर

, मौत को चुनौती दे रहा था-
ओह! कंपन और तीव्र होते जा हैं! खड़ा रहना तक मुश्किल है। लग रहा है, जैसे शरीर का सारा कांपकर हड्डियों से अलग हो जाएगा! यानी मैं सही दिशा में रहा हूं! कालध्वनि इसी तरफ फिट है!
लध्वनि तक जाने जरूरत नहीं है!...
... तेरी मांस और हड्डियों को मैं अलग कर दूंगी!
नताशा!
नताशा! इस वक्त मेरा रास्ता मत रोको! मुझे कालध्वनि तक पहुंचना है!
शानदार मलबे का ढेर बन जाएगा!"
नताशा कुछ समझ नहीं पा रही है! इसका दिमाग इसके वश में नहीं है! गुफाओं की जिन मजबूत चट्टानों को कालध्वनि के कंपन भी तोड़ नहीं पा रहे हैं, उनको इसके वार तोड़ दे रहे हैं!
कड़ऽऽ ड़

लेकिन मुझे ये वक्त इससे लड़ने में नहीं गंवाना है। मेरा लक्ष्य 'काल-ध्वनि' को ढूंढना है, और उसको निष्क्रिय करने का रास्ता ढूंढना है!
अब कहां भाग रहा है? यहां पर तुझे बचाने के लिए कोई लैब नहीं है!
ध्रुव कंपनों की बढ़ती शक्ति के सहारे, कालध्वनि तक पहुंचने का रास्ता तलाश रहा था-
और थोड़ी ही देर बाद मंजिल उसकी आंखों के सामने थी-
कालध्वनि!
ओह! मैंने तो सोचा था कि वायब्रेनियम को इसके अन्दर से निकाल लूंगा, तो ये निष्क्रिय हो जाएगा!
लेकिन वायब्रेनियम दिखना या निकालना तो दूर, मैं तो यहां पर खड़ा तक नहीं हो पा रहा हूं!

जो कंपन पूरे राजनगर की इमारतों को हिला डाल रहे हैं, उसके सामने मेरे हाड़-मांस के शरीर की भला क्या बिसात है! और वह भी तब, जब मैं ठीक कालध्वनि के बगल में खड़ा हूं!
कंपनों से अपने शरीर को बचाने का एक ही रास्ता है!
कि मैं जमीन पर खड़ा होने के बजाय स्टार लाइन पर झूलता रहूं!
सटट
इस तरह मुझ तक आने वाले कंपनों की तीव्रता इतनी कम हो जाएगी कि उनको मैं सह सकूं!
अब मैं कालध्वनि से निपटने का कोई तरीका सोच... ओह!
नताशा! इसको तो मैं एक पल के लिए भूल ही गया था!
दीवार पर पड़ने वाले इसके वार तो चट्टानों को चूर-चूर कर रहे हैं! लेकिन कालध्वनि पर पड़ने वाले इसके वार, वायब्रेनियम द्वारा सोख लिए जा रहे हैं!...
... हुम! अब मुझे एक ऐसा रास्ता समझ में आ रहा है, जो नताशा और कालध्वनि, दोनों से ही एक साथ निपट सकता है!

ये गुफाओं और सुरंगों का जाल समुद्र के किनारे स्थित है। और ये गुफा समुद्र की सतह से कई मीटर नीचे है। और अगर मेरा दिशा ज्ञान सही है तो इस चट्टानी दीवार की तरफ समुद्र है!
अब नताशा उर्फ निनाद के वार इस चट्टानी दीवार को तोड़ते जाएंगे, और आखिरकार समुद्र तक एक सुरंग बना देंगे!
ध्रुव मौत से खेल रहा था–
क्योंकि नताशा के वारों से बनी सुरंग में इधर-उधर हिलकर बचने की ज्यादा जगह नहीं थी–
एक छोटी सी चूक का अर्थ दर्दनाक मौत था–
लेकिन निर्दोषों की जान बचाने के लिए न तो ध्रुव ने कभी अपनी जान की परवाह की थी–
न ही आज कर रहा था–
और जो मैदान में डटे रहते हैं–
मंजिल उनके कदम खुद-ब-खुद चूम लेती है–

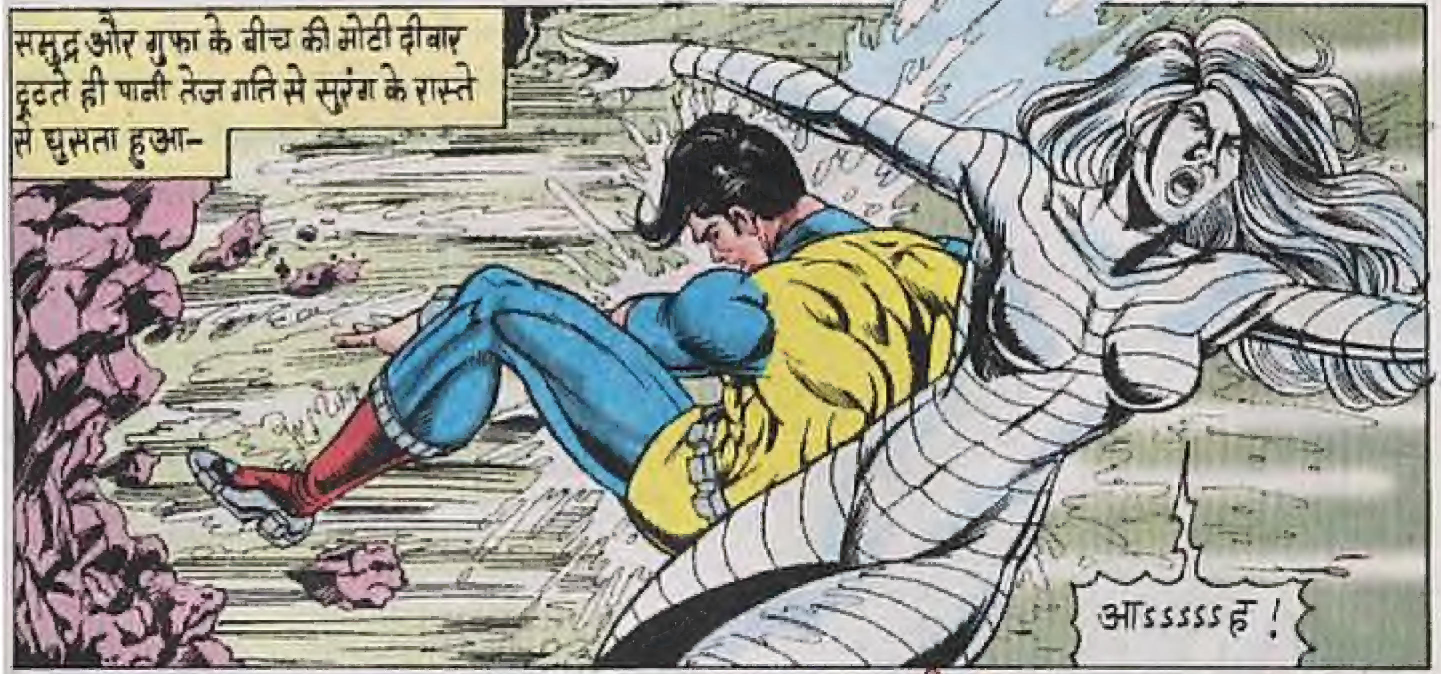
समुद्र और गुफा के बीच की मोटी दीवार टूटते ही पानी तेज गति से सुरंग के रास्ते से घुसता हुआ-
आऽऽऽऽऽह !

गुफा में भरने लगा! कुछ ही मिनटों में कालध्वनि पानी के नीचे था-
एक काम तो हो गया! पानी चूंकि तरल पदार्थ है, इसलिए यह कालध्वनि के कंपनों को शिथिल कर देगा! और समुद्र के संपर्क में आने से ये कंपन अब समुद्र में भी फैलेंगे, और अथाह पानी के अन्दर जज्ब होकर रह जाएंगे!
अब राजनगर सुरक्षित है!
अब दो काम बचे हैं! नताशा और ध्वनिराज से निपटना। नताशा को ठीक करने का तरीका तो मेरे दिमाग में है, लेकिन ध्वनिराज को मैं कैसे ढूंढूंगा?

राजनगर पर नजर रख रहा ध्वनिराज एकाएक चौंक उठा-
ये... ये क्या हो गया? मेरे यंत्र बता रहे हैं कि राजनगर में फैल रहे ध्वनि तरंगों के झटके खत्म हो गए हैं!
इसका तो एक ही मतलब है! सिर्फ एक! और वह ये कि ध्रुव ने किसी तरह से कालध्वनि को बेकार कर दिया है!
उस शैतान के बच्चे को तो मैं जान से मार डालूंगा! लेकिन उसके लिए मुझे यहां से फटाफट निकलना होगा! वरना ध्रुव का क्या भरोसा? कहीं उसने मेरा यह अड्डा भी ढूंढ निकाला तो...
मैंने तुम्हारा अड्डा ढूंढ निकाला है ध्वनिराज!
मर गया!
ध्रुव! ये अड्डा तो गुप्त है! तू... तू यहां तक कैसे पहुंच गया?
मामूली सी बात थी ध्वनिराज! राजनगर में तो तुम भूकंप के झटके खाने के लिए रहते नहीं!
लेकिन कालध्वनि फिट करने के लिए तुम्हारा राजनगर के पास रहना जरूरी था।

और राजनगर के पास ऐसी जगह जहां पर भूकंप के झटके न पहुंच सकें, राजनगर के पास समुद्र में स्थित ऐसे छोटे- छोटे द्वीप ही हो सकते थे!
बस, ये ख्याल आते ही मैंने कुछ समुद्री चिड़ियों को छानबीन के लिए भेज दिया, और उन्होंने इस द्वीप पर बने तुम्हारे अड्डे को ढूंढ़ कर खबर मुझ तक पहुंचा दी!
और... और मेरा कालध्वनि?
वह इस वक्त अपनी ध्वनि तरंगें समुद्र में कहीं फैला रहा है। लहरें उसको बहाकर कहां ले गई होंगी, यह तो मुझे भी नहीं पता!
मेरा... मेरा कालध्वनि बह गया! समुद्र में खो गया! इस हरकत के लिए तुझे अपनी जान खोनी होगी ध्रुव!
मेरे इस अड्डे में घुसने वाले हर व्यक्ति पर चारों तरफ लगी अल्ट्रासोनिक तोपें अपने आप फिक्स हो जाती हैं। इस बार उनका निशाना तुझ पर सधा है!

अगर ये तोपें हर घुसने वाले पर अपने-आप निशाना साध लेती हैं...
... तो अब इनका निशाना ध्रुव नहीं, मैं हूं! अब द्वारा अपनी 'ध्वनि तोपें' और मुझे और ध्वनि ऊर्जा को सोखने का मौका दे...
... ताकि उस ऊर्जा से मैं तुझको नष्ट कर दूं!
ये... ये तो वही लड़की है! शुद्ध ध्वनिऊर्जा से बनी हुई लड़की!
ल... लेकिन इसका दिमाग तो मेरे कब्जे में था!
ताड़
बस करो नताशा! मैं इसको जेल तक पहुंचाना चाहता हूं! अस्पताल नहीं!
ये... ये नताशा है! लेकिन ये तो 'साउंड कंवर्टर' में गिरकर मर गई थी। फिर ये कैसे?
ये मरी नहीं थी। बल्कि ध्वनिऊर्जा के प्राणी निनाद में परिवर्तित हो गई थी!
और अब ये अपना बदला तुझको मार कर लेना चाहती है!
अब नहीं है ध्वनिराज!
हाय! इस पर तो मेरा हर ध्वनि हथियार उल्टा असर करेगा!

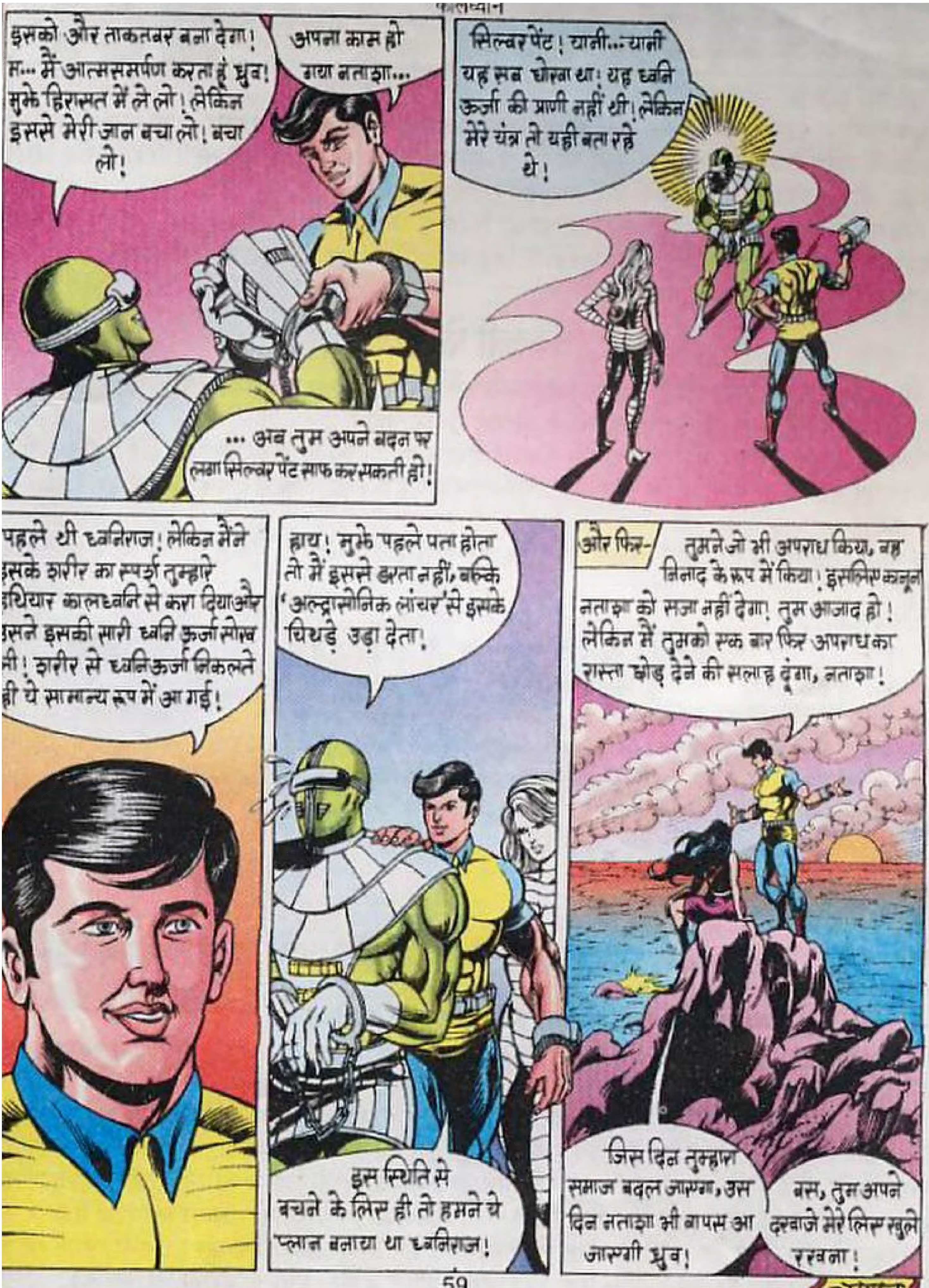
इसको और ताकतवर बना देगा! म... मैं आत्मसमर्पण करता हूं ध्रुव! मुझे हिरासत में ले लो! लेकिन इससे मेरी जान बचा लो! बचा लो!
अपना काम हो गया नताशा...
... अब तुम अपने बदन पर लगा सिल्वर पेंट साफ कर सकती हो!
सिल्वर पेंट! यानी...यानी यह सब धोखा था! यह ध्वनि ऊर्जा की प्राणी नहीं थी! लेकिन मेरे यंत्र तो यही बता रहे थे!
पहले थी ध्वनिराज! लेकिन मैंने इसके शरीर का स्पर्श तुम्हारे हथियार कालध्वनि से करा दिया और उसने इसकी सारी ध्वनि ऊर्जा सोख ली! शरीर से ध्वनि ऊर्जा निकलते ही ये सामान्य रूप में आ गई!
हाय! मुझे पहले पता होता तो मैं इससे डरता नहीं, बल्कि 'अल्ट्रासोनिक लांचर' से इसके चिथड़े उड़ा देता!
इस स्थिति से बचने के लिए ही तो हमने ये प्लान बनाया था ध्वनिराज!
और फिर-
तुमने जो भी अपराध किया, वह निनाद के रूप में किया! इसलिए कानून नताशा को सजा नहीं देगा! तुम आजाद हो! लेकिन मैं तुमको एक बार फिर अपराध का रास्ता छोड़ देने की सलाह दूंगा, नताशा!
जिस दिन तुम्हारा समाज बदल जाएगा, उस दिन नताशा भी वापस आ जाएगी ध्रुव!
बस, तुम अपने दरवाजे मेरे लिए खुले रखना!

समाप्त

एक दिमाग के खिलाफ दर्जनों दिमाग! और सबके इरादे कातिल। ध्रुव के दिमाग का एक अभूतपूर्व कारनामा! जल्द आ रहा है—राज कॉमिक्स के सौजन्य से।